ई. एच. डी.–05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2018 एवं जनवरी, 2019 सत्रों के लिए)

पाठयक्रम कोडः ई.एच.डी–5
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–5

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–05
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.डी.पी./ई.एच.डी.–05/2018–19

प्रिय छात्र/छात्राओ,

विश्वविद्यालय की नयी नीति के अनुसार हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–5 में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आधुनिक भारतीय साहित्यः नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन से आपको परिचित कराया गया है। सत्रीय कार्य से आप ये जाँच सकेंगे कि आपने पाठ्यक्रम में प्रस्तुत इकाइयों को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर.पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर.पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध हैं।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

,

अनुक्रमांक :.....
नाम : .....
पता : .....
.....
दिनांक : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक :.....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : .....

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
7. अपनी लिखावट में उत्तर दें।

8. सत्रीय कार्य की उत्तर. पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक (coordinator) के पास जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियॉः

जुलाई 2018 सत्र के लिए	:	31 मार्च 2019
जनवरी 2019 सत्र के लिए	:	30 सितंबर 2019

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं। एक हैं निबंधात्मक प्रश्न और दूसरे हैं टिप्पणीपरक प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न लगभग 500 शब्दों में लिखें जाने हैं, और टिप्पणीपरक प्रश्न लगभग 200–250 शब्दों में लिखे जाने हैं। लेकिन इन सभी मामलों में उत्तर आपको अपने शब्दों में लिखना है।

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2 अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3 प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–5

सत्रीय कार्य

2018–19

(खंड 1 से 9 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोडः ई.एच.डी–05
सत्रीय कार्य कोडः ई.एच.डी : 5/टी.एम.ए:1/2018–19

कुल अंकः 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. आधुनिक युग की परिभाषा बताते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि भारत में इसकी शुरूआत किस रूप में हुई।

अथवा

भारतीय साहित्य में व्यक्त राजनीतिक एवं सामाजिक आंदोलन पर एक आलेख लिखिए।

2. रवीन्द्रनाथ तथा नजरूल इस्लाम के साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

असमिया साहित्य में व्यक्त राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का विश्लेषण कीजिए।

3. फकीर मोहन सेनापति के साहित्य का ओडिसा साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बांग्ला साहित्य में व्यक्त सामजिक चेतना का विश्लेषण कीजिए।

4. तमिल साहित्य में व्यक्त सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना पर एक निबंध लिखिए।

अथवा

आधुनिक मलयालम भाषा साहित्य के विकास पर एक आलेख लिखिए।

5. राष्ट्रीय एवं सामाजिक आंदोलन का तेलुगु साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा विश्लेषण कीजिए।

अथवा

पंजाबी साहित्य में व्यक्त सामाजिक चेतना पर एक निबंध लिखिए।

6. फुले अम्बेडकरी विचारधारा का मराठी साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा? विश्लेषण कीजिए।

अथवा

गुजराती साहित्य पर सामाजिक आंदोलन का क्या प्रभाव पड़ा विश्लेषण कीजिए।

7. कश्मीरी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के योगदान पर एक आलेख लिखिए।

अथवा

उर्दू साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियॉ लिखिए।

क) अंधेर नगरी

ख) रश्मिरथी

ग) काजी नजरूला इस्लाम

घ) दीनानाथ नादीम

ड) जौतीबा फुले

च) गोपीनाथ महंती

-x-